1

काँटों में राह बनाते हैं

प्रस्तावना

मेहनत करने से कभी भी घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि जब व्यक्ति विपत्ति में धैर्य से काम लेता है, तभी वह सफल हो पाता है।

सच है विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है।
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते।।

विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

है कौन विघ्न ऐसा जग में,
टिक सके आदमी के मग में।
खम ठोंक ठेलता है जब नर,
पर्वत के जाते पाँव उखड़।।

मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है।

गुण बड़े एक-से-एक प्रखर,
हैं छिपे मानवों के भीतर।
मेंहदी में जैसे लाली हो,
वर्तिका बीच उजियाली हो।।

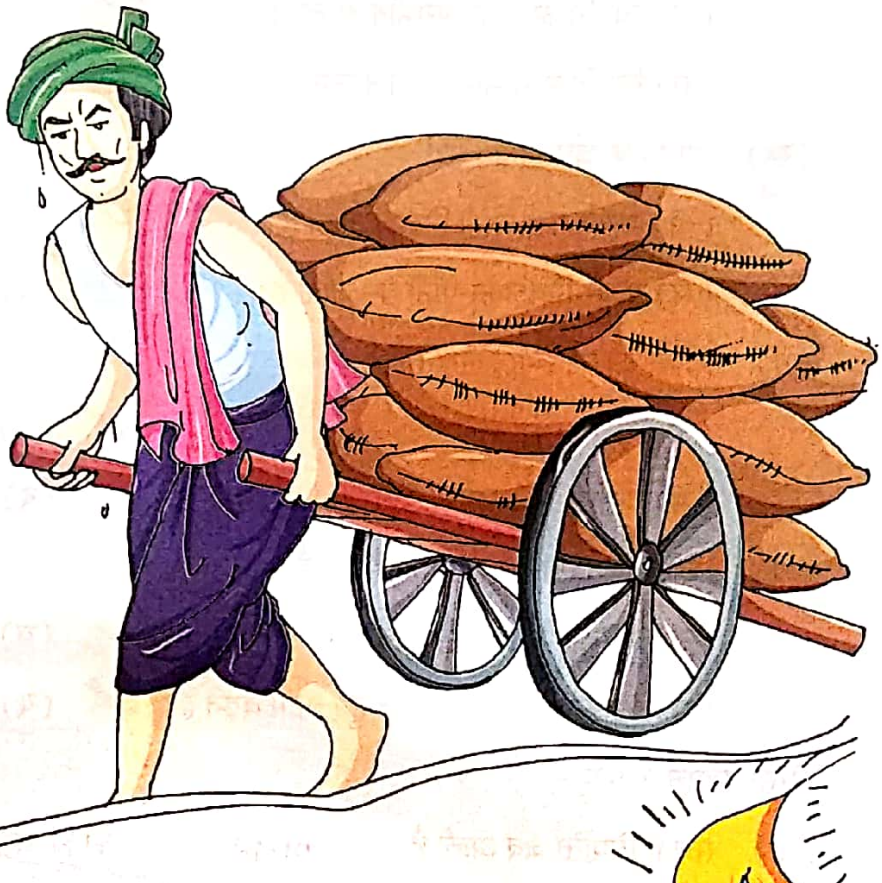

बत्ती जो नहीं जलाता है,
रोशनी नहीं वह पाता है।

—रामधारीसिंह 'दिनकर'

शब्द ज्ञान

विपत्ति (fatality) = संकट का समय, कायर (coward) = डरपोक, दहलाती है (fear) = डराती है, सूरमा (bravo) = वीर लोग, विघ्न (obstacle) = कार्य के होने में रुकावटें, जग (world) = संसार, मग (track) = मार्ग, रास्ता, खम ठोंकना (knock to quarreling) = लड़ने के लिए ताल ठोंकना, प्रखर (wise) = तेज, वर्तिका (bati) = बाती।

अभ्यास

1. **सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) कायरों का स्वभाव होता है–

(अ) विपत्ति आने पर भयभीत हो जाना
(ब) विपत्तियों का सामना करना ✓
(स) विपत्ति में से मार्ग निकाल लेना
(द) इनमें से कोई नहीं

(ख) 'मानव के जोर लगाने पर'

(अ) पत्थर में से पानी निकल आता है।
(ब) असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। ✓
(स) पत्थर पिघलकर पानी बन जाता है।
(द) इनमें से कोई नहीं

(ग) विघ्नों को कौन गले लगाते हैं?

(अ) सूरमा
(ब) कायर ✓
(स) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं

(घ) 'काँटों में राह बनाते हैं' से अभिप्राय है–

(अ) मार्ग में पड़े काँटों को साफ करते हैं।
(ब) काँटों के बीच से रास्ता बनाते हैं। ✓
(स) कठिनाइयों को दूर करते हुए आगे बढ़ते हैं। ✓
(द) इनमें से कोई नहीं

2. **रिक्त स्थान भरिए–**

(क) सच है विपत्ति जब आती है, कायर को ही दहलाती है।
(ख) विघ्न के गले लगाते हैं, कांटों में राह बनाते हैं।
(ग) मेंहदी में जैसे लाली हो, वार्तिका बीच उजियाली हो।
(घ) मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।

3. **सत्य और असत्य लिखिए–**

(क) जब आदमी मुकाबले को तैयार होता है, तो कठिनाइयों को हटना पड़ता है।
(ख) जो कठिनाइयों से घबराते हैं, कठिनाइयाँ उनका कभी पीछा नहीं छोड़तीं।
(ग) कठिनाइयों से डरकर नहीं अपितु धैर्यपूर्वक सामना करके सफलता प्राप्त हो सकती है।

Scanned with CamScanner

(घ) सभी मानव गुणवान हैं, उन्हें पहचानने वाला ही सूरमा होता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) विपत्ति पाकर कायर किस स्थिति को प्राप्त होते हैं?

(ख) विघ्नों को कौन गले लगाते हैं? सूरमा।

(ग) विपत्ति पाकर सूरमा किस स्थिति को प्राप्त होते हैं?

(घ) आदमी के सामने क्या असंभव होना बताया गया है?

5. कविता की छुटी हुई पंक्तियाँ लिखिए–

(क) सच है विपत्ति जब आती है

कायर को ही दहलाती है।
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते।।

विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

(ख) गुण बड़े एक-से-एक प्रखर

हैं दिपे मानवों के भीतर
वर्तिका बीच उजियाली हो।।

बत्ती जो नहीं जलाता है,
रोशनी नहीं वह पाता है।

शब्द बोध

1. रिक्त स्थानों में उपयुक्त विशेषण लिखिए–

_____	लोग	_____	पुरुष	_____	पत्थर
_____	छात्र	_____	पहाड़	_____	पानी
_____	मानव	_____	लेख	_____	गुलाब

2. इनके अर्थ लिखिए–

कायर	_____	वर्तिका	_____
दहलाना	_____	विघ्न	_____
सूरमा	_____	विपत्ति	_____

Scanned with CamScanner